धोरा री धरती में मारा जांभोजी पधारिया

धोरा री धरती में मारा,
जांभोजी पधारिया,
हाथ में कमंडल काली माला,
मारा जांभोजी,
थाने मनावण मैं आया।bd।

धोरा री धरती में गुरु जी,
आसन लगायो,
ज्योति जगाई हद भारी,
मारा जांभोजी,
थाने मनावण मैं आया।bd।

पीपासर में गाया चराई,
लोवटजी रो माने बढ़ायो,
मारा गुरुजी,
थाने मनावण मैं आया।bd।

रोडू नगरी आप पधारिया,
उमा बाई रो भात भरायो,
म्हारा जांभोजी,
थाने मनावण मैं आया।bd।

अंधीया ने गुरुजी अंखियां दीनी,
कोडिया री कष्ट मीटायो,
मारा जांभोजी,
थाने मनावण मैं आया।bd।

'मदनलाल' री सुणजो विनती,
भवजल पार उतारो,
मारा जांभोजी,
थाने मनावण मैं आया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

धोरा री धरती में मारा,
जांभोजी पधारिया,
हाथ में कमंडल काली माला,
मारा जांभोजी,
थाने मनावण मैं आया।bd।

प्रेषक – सुभाष सारस्वत मदनलाल पुस्करणा
9024909170

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com